राजनीति में सफल होने के लिए राजयोग आवश्यक - दादी

उड़ीसा के विधायकों ने देखी ब्रह्माकुमारीज़ की कार्य-प्रणाली, दादी से सीखे आध्यात्मिकता के गुर

आबू रोड, निसं। राजनीति के क्षेत्र में वही व्यक्ति सफल होता है जिसका जीवन दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत हो। हमारा उद्देश्य देश व समाज का कल्याण करना होना चाहिए। हमें सभी निर्णय इन्हें ध्यान में रखकर ही लेना चाहिए। राजयोग का अ यास हमें मन से सशक्त बनाता ही है साथ में निर्णय लेने की क्षमता का भी विकास करता है।

यह बात ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मु य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने उड़ीसा विधानसभा से आए विधायकों के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि यदि हम मैं कौन की पहेली को हल कर लेते हैं तो इससे अधिकांश समस्याएं स्वत: ही समाप्त हो जाती है। एक परमात्मा की संतान होने के कारण हम सभी आपस में भाई-भाई हैं। हमारी सदा यह भावना बनी रहे तो हम दु:ख और अशांति से छुट जाएंगे। सुबह के सत्र को संबोधित करते हुए माउण्ट आबू की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके उषा ने कहा कि हमें अपने मन को कमजोर नहीं शक्तिशाली बनाना है। उन्होंने बताया कि मन को शक्तिशाली बनाने का साधन है परमात्मा की याद। सफलता तभी मिलती है जब हमारे मन में दृढ़ता होती है। यदि हमारा मन कमजोर होगा तो हमारी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं रहेगी। जिसके कारण हमारा शरीर भी स्वस्थ नहीं रहेगा, हमें बात-बात में गुस्सा आएगा और हमारे संस्कार चिड़चिड़ापन वाले हो जाएंगे। श्रेष्ठ विचारों से ही श्रेष्ठ भाग्य का निर्माण होता है।

लगभग 25 विधायकों का यह सदस्यीय दल अपने पूरे परिवार सहित पीस पार्क, ज्ञानसरोवर, ग्लोबल हॉस्पीटल, ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित स्थान सोलर प्लांट का भी अवलोकन किया।

यहां की स्वच्छता ने किया प्रभावित

उड़ीसा विधानसभा के सभी विधायकों ने एक स्वर में कहा कि यहां की स्वच्छता, सादगी और पवित्रता से समाज को सीख लेने की जरूरत है। यहां की सादगी भर जीवन, यहां की दिनचर्या और लोगों का सेवा भाव अनुकरणीय है।

माउण्ट आबू विश्व का पवित्र स्थान

उड़ीसा विधानसभा के सब मिशन कमिटी के अध्यक्ष प्रभात रंजन विश्वाल अपने अनुभव सुनाते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य था कि हम अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय निकालकर शांति में व्यतीत करें। इसके लिए हमने ब्रह्माकुमारीज़ आश्रम का चुनाव किया। इसी उद्देश्य से हम सभी लोग माउण्ट आबू आएं है। यहां आकर हम सभी को बहुत अच्छा लगा है। इतना समय हमने आज तक किसी भी आश्रम में नहीं बिताए हैं। यहां हमें बहुत ही शांति की अनुभूति हुई है। हमारा यह प्रयास रहेगा कि हम अपने जीवन में से कुछ समय स्वयं के लिए निकाले और मेडिटेशन का अ यास करें। हमारा यह मानना है कि यह भारत का नहीं अपितु विश्व का सबसे पवित्र स्थान है।

अच्छे कार्यों को करने की प्रेरणा देता है राजयोग

भद्रक जिला परिषद के सदस्य ने कहा कि राजयोग को मैं अपने जीवन में अपनाऊंगा। यहां मुझे अच्छे कार्यों को करने की प्रेरणा प्राप्त हुई है। मैंने ऐसा अनुभव किया है कि जैसे मैं भगवान के घर में हूं। और परमात्मा सदा हमारे साथ है। यहां के वातावरण में प्रवेश करते ही मुझे ही मुझे दिव्य शक्ति की अनुभूति हुई है। सरल राजयोग आज के तनाव भरे जीवन में टेंशन मुक्त रहने के लिए आवश्यक है।